

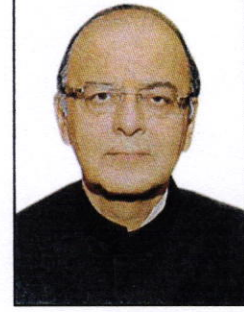
अरुण जेटली
वित्त एवं कार्पोरेट कार्य मंत्री
भारत



संदेश

Arun Jaitley

Minister of Finance and Corporate Affairs
India



हिंदी दिवस के अवसर पर मेरी शुभकामनाएं।

सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक और भाषायी विविधता से सराबोर और गौरवान्वित भारत को एकसूत्र में पिरोने का दायित्व हिंदी बखूबी निभा रही है। भारत की अस्मिता को विश्वभर में प्रतिष्ठित करने में हिंदी की अहम भूमिका है। हमारे देश के प्राचीन मनीषियों और विचारकों के संदेश जन-जन तक पहुंचाने, स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय जन-मानस को जोड़ने तथा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के प्रसार करने का माध्यम हिंदी है। हिंदी जीवन के हर पहलू में जीवंत व गतिमान है। इसलिए, संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया। संविधान तथा राजभाषा अधिनियम के उपबंधों का उद्देश्य यही है कि संघ के कार्य-कलापों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग अधिकाधिक हो और देश की सामासिक संस्कृति को बढ़ावा मिले।

परंपरा रही है कि हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इस बात पर ध्यान दिया जाए कि शासकीय भाषा का स्वरूप जन-भाषा जैसा हो। इस संबंध में, मैं मूर्धन्य कवि श्री गोपाल सिंह नेपाली की कविता की कुछ पंक्तियों का उल्लेख करना चाहूंगा:

“बढ़ने दो इसे सदा आगे, हिंदी जनमत की गंगा है
यह माध्यम उस स्वाधीन देश का, जिसकी ध्वजा तिरंगा है
हों कान पवित्र इसी सुर में, इसमें ही हृदय तड़पने दो
हिंदी है भारत की बोली, तो अपने आप पनपने दो”

आइए, हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम उपर्युक्त पंक्तियां याद रखते हुए हिंदी में कार्य करने के अपने सांविधानिक दायित्व को निभाने का संकल्प लें और हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय सहयोग दें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे प्रयासों से हमें वांछित परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे।

(अरुण जेटली)